



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 598]

नई दिल्ली, शुक्रवार, विसम्बर 7, 1984/अग्राहायण 16, 1906

No. 598]

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 7, 1984/AGRAHAYANA 16, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 7 विसम्बर, 1984

का. आ. 904 (अ) :—केंद्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व कृषि और सिंचाई मंत्रालय (खाद्य विभाग) की अधिसूचना स. का. आ. 225 (अ) तारीख 28 मार्च, 1980 (जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त अधिसूचना कहा गया है) द्वारा जारी उपक्रम (प्रबंध प्रण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा की थी कि 28 मार्च, 1980 के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी गतिशीलों, सम्पत्ति हस्तान्तरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंजाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखितों (उत्तम सिद्धि जो वेंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रत्याभूत दायित्वों के संबंधित हैं) से प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाली सभी बाध्यताओं और दायित्वों, जिनका केंद्रीय पाटन सहकारी शुगर मिल लिमिटेड नामक उपक्रम जो राजस्थान राज्य में धुन्दी जिले केंद्रीय पाटन में चीनी का विनिर्माण कर रही है, या उक्त चीनी उपक्रम का स्वामित्व रखने वाला व्यक्ति एक पक्षकार है या जो उक्त चीनी उपक्रम या व्यक्ति का भागू है, का पर्वत उक्त अवधि के लिए निरविवृत रहेगा,

और उक्त अधिसूचना की अवधि, अधिसूचना स. का. आ. 113 (अ), तारीख 19 फरवरी, 1981, का. आ. 174 (अ) तारीख 25 मार्च, 1982, का आ. 197 (अ) तारीख 22 मार्च, 1983 और का. आ. 182 (अ) तारीख 21 मार्च, 1984 द्वारा तारीख 12 विसम्बर, 1984 तक, जिसमें यह तारीख भी है, बढ़ा दी गई थी;

और केंद्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त अधिसूचना की अवधि, 31 मार्च, 1985 तक जिसमें यह तारीख भी है, बढ़ा दी जानी चाहिए;

अतः अब केंद्रीय सरकार, चीनी उपक्रम (प्रबंध प्रण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिसूचना की अवधि को, 31 मार्च, 1985 तक, जिसमें यह तारीख भी है, बढ़ाती है।

[का. स. 13-1/84-एन एन यू. जि. 2]

MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES

(Department of Food)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 7th December, 1984

S.O. 904(E).—Whereas by the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of

Agriculture and Irrigation (Department of Food) No. S.O.225(E), dated the 28th March, 1980 (Hereinafter referred to as the said notification), the Central Government in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) read with sub-section (2) of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), had declared that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 (other than those relating to secured liabilities through banks and financial institutions) to which the undertaking known as the Shri Keshoraipatan Sahkari Sugar Mills Limited, manufacturing sugar at Keshoraipatan in the District of Bundi in the State of Rajasthan or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or the person, shall remain suspended for the said period;

And, whereas, the duration of the said notification was extended upto and inclusive of the 12th December, 1984; vide notification nos. S.O. 113(E), dated the 19th February, 1981; S.O. 174(E), dated the 25th March, 1982; S.O. 197(E), dated the 22nd March, 1983 and S.O. 182(E), dated the 21st March, 1984:

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said notification should be extended upto and inclusive of the 31st March, 1985,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), the Central Government hereby extends the duration of the said notification upto and inclusive of the 31st March, 1985.

[File No. 13-1/84-NSU Vol.II]

का. आ. 905 (अ)—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व कृषि और सिंचाई मंत्रालय (खाद्य विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 220 (अ) तारीख 28 मार्च, 1980 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिसूचना कहा गया है) द्वारा चीनी उपक्रम (प्रबंध ग्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खंड (स) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा की थी कि 28 मार्च, 1980 के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविदाओं, सम्पत्ति हस्तान्तरण-पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों से प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाली सभी बाध्यताओं और दायित्वों, जिनका श्री सोनाराज शुगर कंपनी लिमिटेड, नामक उपक्रम जो उत्तर प्रदेश राज्य के देवरिया जिले बेंतलपुर में चीनी का विनिर्माण कर रही है, या उक्त चीनी उपक्रम का स्वामित्व रखने वाला व्यक्ति एक पक्षकार है या जो उक्त चीनी उपक्रम या व्यक्ति को लागू हो, का प्रवर्तन उक्त अवधि के लिए निर्रहित रहेगा;

और उक्त अधिसूचना की अवधि, अधिसूचना सं. का. आ. 108 (अ), तारीख 19 फरवरी, 1981, का आ. 171 (अ) तारीख, 25 मार्च, 1982 का आ. 194 (अ) तारीख 22 मार्च, 1983 और का. आ. 179 (अ) तारीख 21 मार्च, 1984 द्वारा तारीख 26 दिसम्बर, 1984 तक, जिसमें यह तारीख भी है, बढ़ा दी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त अधिसूचना की अवधि, 31 मार्च, 1985 तक जिसमें यह तारीख भी है, बढ़ा दी जानी चाहिए;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, चीनी उपक्रम (प्रबंध ग्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिसूचना की अवधि को, 31 मार्च, 1985 तक, जिसमें यह तारीख भी है, बढ़ाती है।

[का. सं. 13-1/84 एन एस यू. जि. 2]

S.O. 905(E).—Whereas by the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Food) No S.O. 220(E), dated the 28th March, 1980 (hereinafter referred to as the said notification), the Central Government in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) read with sub-section (2) of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), had declared that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980, to which the undertaking known as the Shree Sitaram Sugar Company Limited, manufacturing sugar at Baitalpur in the District of Deoria in the State of Uttar Pradesh, or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking of the person, shall remain suspended for the said period;

And, whereas, the duration of the said notification was extended upto and inclusive of the 26th December, 1984, vide notification Nos. S.O. 108(E), dated the 19th February, 1981; S.O. 171(E), dated the 25th March, 1982; S.O. 194(E), dated the 22nd March, 1983 and S.O. 179(E), dated the 21st March, 1984;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said notification should be extended upto and inclusive of the 31st March, 1985:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), the Central Government hereby extends the duration of the said notification upto and inclusive of the 31st March, 1985.

[File No. 13-1/84-NSU Vol. II]

का. आ. 906 (अ)—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व कृषि और सिंचाई मंत्रालय (खाद्य विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 222 (अ) तारीख 28 मार्च, 1980 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिसूचना कहा गया है) द्वारा चीनी उपक्रम (प्रबंध ग्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा की थी कि 28 मार्च, 1980 के ठीक पूर्व प्रवृत्त

ऐसी सभी संविदाओं, सम्पत्ति हस्तान्तरण-पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों (उनसे निम्न जो बैंक और वित्तीय संस्थाओं के प्रत्याभूत दायित्वों से संबंधित हैं) से प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाली सभी बाध्यताओं और दायित्वों का जिनका जीजा माता सहकारी शक्कर कारखाना लिमिटेड नामक उपक्रम जो महाराष्ट्र राज्य के बुलदाना जिला शक्कर नगर में चीनी का विनिर्माण कर रही है, या उक्त चीनी उपक्रम का स्वामित्व रखने वाला व्यक्ति एक पक्षकार है या जो उक्त चीनी उपक्रम या व्यक्ति को लागू हो, प्रवर्तित उक्त अवधि के लिए निर्बंधित रहेगा;

और उक्त अधिसूचना की अवधि, अधिसूचना सं. का. आ. 110 (अ) तारीख 19 फरवरी, 1981; का आ. 169 (अ) तारीख 25 मार्च, 1982; का आ. 192 (अ) तारीख 23 मार्च, 1983 और का. आ. 177 (अ) तारीख 21 मार्च, 1984 द्वारा तारीख 12 दिसम्बर, 1984 तक, जिसमें यह तारीख भी है, बढ़ा दी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त अधिसूचना की अवधि 31 मार्च, 1985 तक जिसमें यह तारीख भी है बढ़ा दी जानी चाहिए;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, चीनी उपक्रम (प्रबंध ग्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिसूचना का अवधि को, 31 मार्च, 1985 तक जिसमें यह तारीख भी है, बढ़ाती है।

[फा. सं. 13-1/84 एन एम यू. जि. II]

S.O. 906(E).—Whereas by the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Food) No. S.O. 220(E), dated the 28th March, 1980 (hereinafter referred to as the said notification), the Central Government in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) read with sub-section (2) of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), had declared that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 (other than those relating to secured liabilities through banks and financial institutions) to which the undertaking known as the Jijamata Sahkari Sakhar Karkhana Limited, manufacturing sugar at Shankarnagar in the District of Buldana in the State of Maharashtra, or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or the person, shall remain suspended for the said period;

And, whereas, the duration of the said notification was extended upto and inclusive of the 12th December, 1984, vide notification Nos. S.O. 110(E), dated the 19th February, 1981, S.O. 169(E), dated the 25th

March, 1982; S.O. 192(E), dated the 22nd March, 1983 and S.O. 177(E), dated the 21st March, 1984:

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said notification should be extended upto and inclusive of the 31st March, 1985.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), the Central Government hereby extends the duration of the said notification upto and inclusive of the 31st March, 1985.

[File No. 13-1/84-NSU Vol.II]

का. आ. 907 (अ):— केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व कृषि और मिर्चाई मंत्रालय (खाद्य विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 221 (अ) तारीख 28 मार्च, 1980 जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिसूचना कहा गया है) द्वारा चीनी उपक्रम (प्रबंध ग्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा की थी कि 28 मार्च, 1980 के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविदाओं, सम्पत्ति हस्तान्तरण-पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों से प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाली सभी बाध्यताओं और दायित्वों का जिनका देवरिया चीनी मिल लिमिटेड नामक उपक्रम जो उत्तर प्रदेश राज्य के देवरिया जिले में देवरिया में या उक्त चीनी उपक्रम का स्वामित्व रखने वाला व्यक्ति एक पक्षकार है या जो उक्त चीनी उपक्रम या व्यक्ति को लागू हो, प्रवर्तित उक्त अवधि के लिए निर्बंधित रहेगा;

और उक्त अधिसूचना की अवधि, अधिसूचना सं. का. आ. 109 (अ) तारीख 19 फरवरी, 1981; का. आ. 172 (ख) तारीख 25 मार्च, 1982 का. आ. 195 (अ) तारीख 22 मार्च, 1983 और का. आ. 180 (ख) तारीख 21 मार्च, 1984 द्वारा तारीख 26 दिसम्बर 1984 तक, जिसमें यह तारीख भी है, बढ़ा दी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त अधिसूचना की अवधि 31 मार्च, 1985 तक जिसमें यह तारीख भी है बढ़ा दी जानी चाहिए।

अतः अब केन्द्रीय सरकार, चीनी उपक्रम (प्रबंध ग्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिसूचना का अवधि को, 31 मार्च, 1985 तक जिसमें यह तारीख भी है, बढ़ाती है।

[फा. सं. 13-1/84 एन एम यू. जि. II]

एन. आर. बनर्जी, संयुक्त सचिव

S.O. 907(E).—Whereas by the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Food) No. S.O. 221(E), dated the 28th March, 1980 (hereinafter referred to as the said notification), the Central

Government in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) read with sub-section (2) of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), had declared that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980, to which the undertaking known as the Deoria Sugar Mills Limited, manufacturing sugar at Deoria in the District of Deoria in the State of Uttar Pradesh, or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or the person, shall remain suspended for the said period;

And, whereas, the duration of the said notification was extended upto and inclusive of the 26th December, 1984; vide notification Nos. S.O. 109(E), dated

the 19th February, 1981; S.O. 172(E), dated the 25th March, 1982; S.O. 195(E), dated the 22nd March, 1983 and S.O. 180(E), dated the 21st March, 1984;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said notification should be extended upto and inclusive of the 31st March, 1985:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), the Central Government hereby extends the duration of the said notification upto and inclusive of the 31st March, 1985.

[File No. 13-1/84-NSU Vol.II]

N. R. BANERJI, Jt. Secy.